

धोरण : 6

हिन्दी

२. एक जगत, एक लोक (कविता)

अभ्यास - स्वाध्याय



# अभ्यास

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) 'एक जगत, एक लोक' ऐसा कवि ने क्यों कहा है ?

- यह संसार एक मानवलोक है। एक ही चंद्रमा सारे संसार में अपनी चाँदनी फैलाता है। एक ही सूर्य सारे संसार को प्रकाशित करता है। दुनिया के सभी लोग एक ही धरती पर और एक ही आसमान के नीचे रहते हैं। इस प्रकार प्रकृति के तत्त्व हम सबके लिए एक हैं। इसलिए कवि ने 'एक जगत, एक लोक' कहा है।

## (2) 'एक रक्त' का अर्थ समझाइए।

- मनुष्य चाहे किसी भी देश, जाति और धर्म का हो, उसके रक्त का रंग लाल ही होता है। रक्त के रंग की समानता से साबित होता है कि पूरी मनुष्यजाति एक हैं। भले ही हमारे रूप-रंग भिन्न हों, पर भीतर से हम सब एक हैं।

## (3) हमारा धर्म क्या होना चाहिए?

- सबकी प्रगति हो, सबको न्याय मिले और मानवता की रक्षा हो – यही हमारा धर्म होना चाहिए।

## (4) 'हमारा जीवन सुख-दुःख की एक कहानी है' - ऐसा कवि ने क्यों कहा है?

- सभी मनुष्यों के जीवन में कभी सुख के दिन आते हैं तो कभी दुःख के दिन भी देखने पड़ते हैं। किसीका सारा जीवन न सुखी होता है न दुःखी। जीवन में बारी-बारी से सुख दुःख आते रहते हैं। इसलिए कवि ने कहा है कि 'हमारा जीवन एक सुख-दुःख की कहानी है।

## 2. ऊँचे स्वर में पढ़िए:

सूर्य, सुख-दुःख, रक्त, अस्थि, प्राण, गाएँ, गूंज, हर्ष, ऐक्य, कर्म, प्रगति, लहराएँ,  
विश्वशांति

## 3. उदाहरण के अनुसार निर्देशित वर्ण से शुरू होने वाले शब्द बनाइए :

उदाहरण:

कः कौआ कमल कागज़ कौशल

गः गणेश गमला गज गीत

घः घर घड़ी घंटा घटना

चः चरखा चमचा चरण चटाई

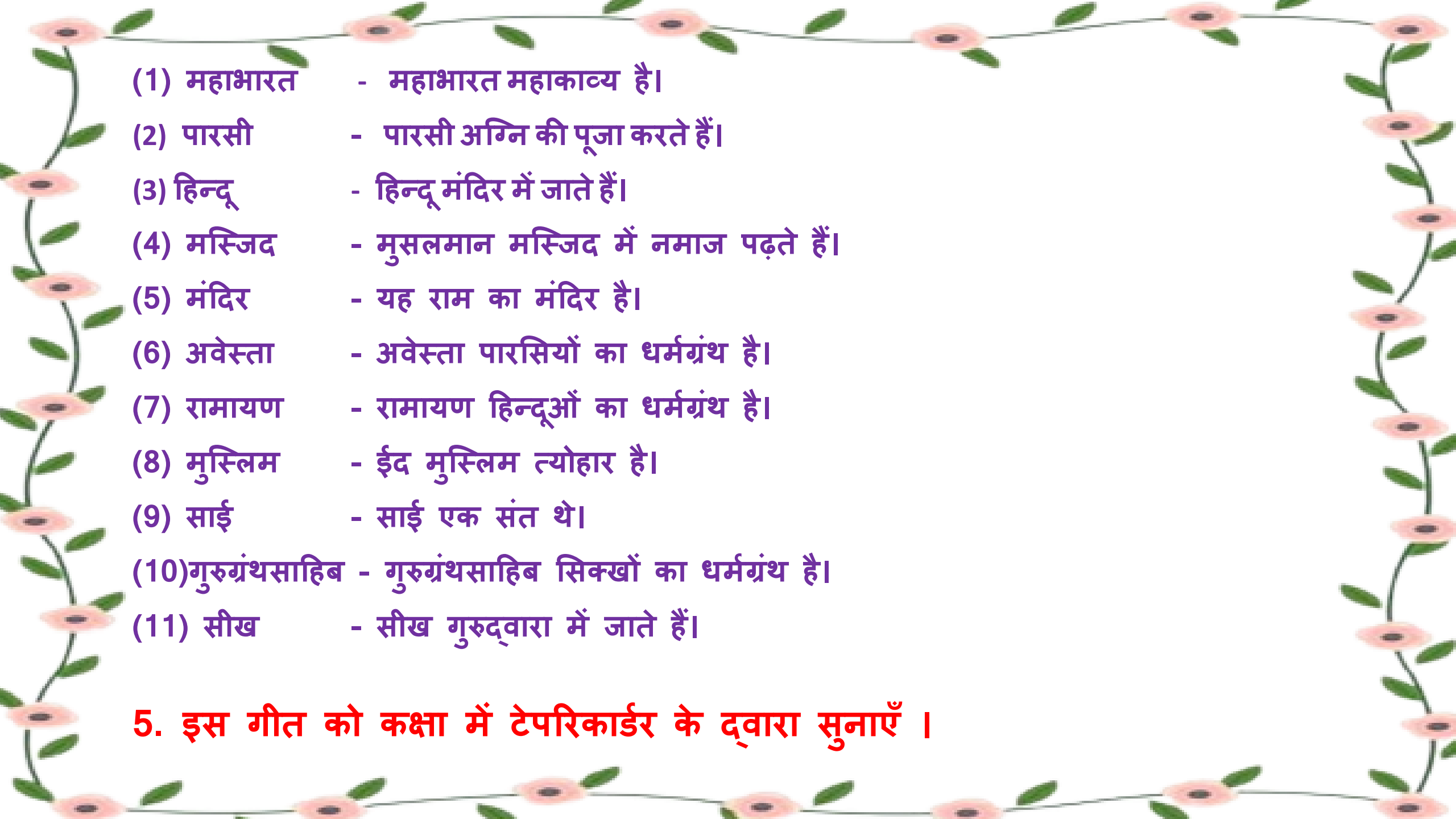
मः महल मकान मक्खन मोर

#### 4. शब्द सारणी :

क	पा	म	बा	इ	बि	ल	र	च	म	स्जि	द
म	र	गु	ध	न	हि	न्दू	य	ल	अ	क्ष	कु
हा	सी	गु	रु	ग्रं	थ	सा	हि	ब	वे	रा	ल
भा	फ	ब	भ	क्या	व	सी	ख	ह	स्ता	क्ष	र
र	मं	दि	र	स	रा	मा	य	ण	म	स	य
त	म	श	इ	सा	ई	ह	न	प	मु	स्लि	म

उपर्युक्त सारणी में कुछ सार्थक शब्द दिए गये हैं, उन्हें ढूंढ़िए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

जैसे : बाइबिल - बाइबिल धर्मग्रंथ है।

- 
- (1) महाभारत - महाभारत महाकाव्य है।
  - (2) पारसी - पारसी अग्नि की पूजा करते हैं।
  - (3) हिन्दू - हिन्दू मंदिर में जाते हैं।
  - (4) मस्जिद - मुसलमान मस्जिद में नमाज पढ़ते हैं।
  - (5) मंदिर - यह राम का मंदिर है।
  - (6) अवेस्ता - अवेस्ता पारसियों का धर्मग्रंथ है।
  - (7) रामायण - रामायण हिन्दूओं का धर्मग्रंथ है।
  - (8) मुस्लिम - ईद मुस्लिम त्योहार है।
  - (9) साई - साई एक संत थे।
  - (10) गुरुग्रंथसाहिब - गुरुग्रंथसाहिब सिक्खों का धर्मग्रंथ है।
  - (11) सीख - सीख गुरुद्वारा में जाते हैं।

**5. इस गीत को कक्षा में टेपरिकार्डर के द्वारा सुनाएँ ।**

# स्वाध्याय

## 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) इस काव्य में प्रकृति के कौन-कौन से तत्त्व हैं ?

➤ इस काव्य में प्रकृति के तत्त्व चंद्रमा, सूर्य, भूमि, आकाश, हवा और पानी हैं।

(2) काव्य का शीर्षक 'एक जगत एक लोक' क्यों रखा गया है?

➤ पूरे विश्व को एक ही सूर्य प्रकाश देता है। विश्व में एक ही हवा चल रही है और पानी भी एक ही है। सबके जीवन में सुख और दुःख समान हैं। सभी मनुष्यों का शरीर मांस और हड्डियों से बना है। इस तरह कवि ने पूरे विश्व की एकता सिद्ध की है। इसलिए इस काव्य का शीर्षक 'एक, जगत, एक लोक' रखा गया है।



(3) आप इस काव्य को और कौन-कौन से शीर्षक देना चाहेंगे?

- हम इसके अलावा काव्य को ये शीर्षक देना चाहेंगे : 'एक विश्व, एकधरा' तथा 'हम सब विश्वबंधु'।

(4) सभी नदियाँ अलग अलग हैं, फिर भी कवि क्यों कहते हैं कि, 'एक ही पानी'?

- सभी नदियों के पानी की वैज्ञानिक संरचना एक जैसी है। सभी नदियों के पानी का मनुष्य के लिए समान उपयोग है। इसलिए कवि अलग-अलग नदियों के पानी को 'एक ही पानी' कहते हैं।



2. विलोम – अर्थ वाले शब्दों के जोड़े बनाइए और उदाहरण अनुसार वाक्य में प्रयोग कीजिए :



शब्द		विलोम
पास	×	दूर
चेतन	×	जड़
जीवन	×	मृत्यु
स्वामी	×	दास
प्रकाश	×	अंधकार

उदाहरण : मेरे घर के पास मीना का घर है।

मीना का घर मेरे घर से दूर नहीं है।



( 1 ) शुभ - विजयादशमी का दिन सबके लिए शुभ दिन है।

अशुभ - कल का दिन आपके लिए अशुभ था ।

( 2 ) चेतन - वृक्षों में भी चेतन है।

जड़ - वनस्पति जड़ नहीं है।

( 3 ) जीवन - औषधियाँ हमें जीवन देती हैं।

मृत्यु - औषधियाँ हमें मृत्यु से बचाती हैं।

( 4 ) स्वामी - ईश्वर सबका स्वामी है।

दास - वह किसी का दास नहीं है।

( 5 ) प्रकाश - सूर्य हमें प्रकाश देता है।

अंधकार - दीपक अंधकार का नाश करता है।



3. उदाहरण के अनुसार समान प्राप्त वाले शब्द बनाकर लिखिए :

उदाहरण : आना - जाना

सुनकर, मेहरबान, सेठानी, बागबान, जेठानी, पढ़कर

सुनकर पढ़कर

मेहरबान - बागबान

सेठानी - जेठानी

#### 4. निम्नलिखित भाव दर्शानेवाली काव्य पंक्तियाँ लिखिए :

(1) पूरे विश्व में एक ही सूर्य का प्रकाश है, एक ही हवा चल रही है, और एक ही प्रकार का जल है।

➤ एक तेज, एक हवा, एक ही पानी।

(2) समता का यह गीत पूरा विश्व हमेशा गा रहा है।

➤ हर्ष भरे गाएँ हम राग सुहाने  
समता और ममता के गीत-तराने

## 5. समानार्थी शब्द ढूँढकर घेरा बनाइए और लिखिए :

वि	श्व	चि	णि	स	सं
दु	आ	पा	ह	म्मा	ज्ञा
नि	का	ग	ग	न	भ
या	श	आ	स	मा	न
प्र	ति	ष्टा	त	ह	स्त

( 1 ) लोक = विश्व, दुनिया

( 2 ) मान = सम्मान, प्रतिष्ठा

( 3 ) निशान = चिह्न, संज्ञा

( 4 ) हाथ = हस्त, पाणि

( 5 ) अंबर = आकाश, आसमान, गगन

प्रश्न:5 में आपने जो दो समानार्थी शब्द ढूँढ़े हैं, उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए :

उदाहरण : हाथ – पाणि

उदाहरण : सीता ने पाणि से पानी पिया।

(1) विश्व - सारा विश्व एक है।

दुनिया - दुनिया में बहुत-से देश हैं।

(2) सम्मान - हम बड़ों का सम्मान करें।

प्रतिष्ठा - अच्छे कामों से हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है।

(3 ) चिह्न - यह किसी के पैर का चिह्न है।

संज्ञा - दरवाजे पर कोई संज्ञा नहीं है।



( 4 ) हस्त - हस्त की शोभा दान है।

पाणि - सीता ने पाणि से पानी पिया।

( 5 ) आकाश - आकाश का कहीं अंत नहीं है।

आसमान - आसमान का रंग नीला है।

गगन - धीरे-धीरे गगन बादलों से छा गया।

7.नीचे दिए हुए चौरस में से उदाहरण के अनुसार संज्ञा शब्द बनाइए, और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:

क	म	ल	अं	गं	द
सा	ग	र	हि	त	थ
स	र	म	मा	ल	वा
रं	भा	फू	ल	आ	प
क	र	व	य	र	छ
द	त	मा	ल	ती	त

जैसे : फूल - यह फूल सुंदर है।

( 1 ) कमल - तालाब में कमल खिले हैं।

( 2 ) सागर - सागर की शोभा दर्शनीय है।

( 3 ) भारत - भारत विशाल देश है।

( 4 ) हिमालय - हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है।

( 5 ) आरती - मंदिर में आरती के समय बहुत भीड़ होती है।



**THANKS**



**FOR WATCHING**